RNI NO - UPHIN/2022/86937

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 75 | जौनपुर बुधवार, 29 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सरकार ने अग्निवीरों के साथ किया धोखा : कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने सरकार पर अग्निवीरों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि पहले सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया था लेकिन अब गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर बताया है कि रिटायर अग्निवीरों को देश की टॉप दस प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसियों में रखा जाएगा। कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में अधिसूचना को अग्निवीरों के साथ धोखा बताया और कहा कि यह योजना देश की सुरक्षा और युवाओं के लिए घातक है इसलिए इस योजना को खत्म किया जाना चाहिए। 1 नवंबर से गैर–बीएस–6 मालवाहक वाहनों पर लगेगा प्रतिबंध उन्होंने कहा कि सरकार हमारे जवानों के साथ सही नहीं कर रही है। ये साफ तौर पर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से पहले ही श्जय जवान अभियानश चलाया था और अब श्जय जवान अभियानश का दूसरा भाग चल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार कह रहे हैं कि देश को कम प्रशिक्षित सैनिक दिए जा रहे हैं और मोदी सरकार सैनिकों की पेंशन काटकर अपने पूंजीपति मित्रों की तिजोरी भर रही है। कर्नल चौधरी ने कहा हम सभी वचनबद्ध हैं कि अग्निवीर योजना देश की सुरक्षा और युवाओं के लिए घातक है, ये खत्म होनी चाहिए।

नए विवाद में फंसे प्रशांत किशोर, दो राज्यों के वोटर लिस्ट में निकला नाम

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर नए विवाद में फंस गए हैं। उनका बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में नाम मिला है। प्रशांत किशोर पश्चिम बंगाल में कोलकाता पश्चिम लोकसभा क्षेत्र की भवानीपुर विधानसभा से मतदाता हैं। यहां उनका एपिक नंबर आईयूआई 0686683 पाया गया। उनका सीरियल नंबर 621 है और मतदान केंद्र, आर–1 21बी रानीशंकरी लेन स्थित सेंट हेलेन स्कूल के रूप में दर्ज है। 30 अक्टूबर को जारी होगा एनडीए का घोषणापत्र बिहार में वह सासाराम संसदीय क्षेत्र के करगहर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। उनका मतदान केंद्र रोहतास जिले के अंतर्गत मध्य विद्यालय, कोनार है। कोनार प्रशांत किशोर का पैतृक गांव है। गौरतलब है कि प्रशांत किशोर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के राजनीतिक सलाहकार के रूप में काम कर चुके हैं। वहीं, इस बार उनकी जन सुराज पार्टी बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ रही है। जंगलराज छोड़िए, रोजगार–पलायन पर बात क्यों नहीं करते जन प्रतिनिधित्व अधिनियम–1950 की धारा 17 और धारा 18 के अनुसार, कोई भी व्यक्ति एक से अधिक वोटर आईडी नहीं रख सकता है।

जित्थे जाहे बहे मेरा सतगुरु सो थान सुहावा रामराज : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'जित्थे जाहे बहे मेरा सतगुरु सो थान सुहावा रामराजे' अर्थात जहां गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान राम राज्य की तरह पवित्र हो जाता है। हम सभी का सौभाग्य है कि आज गुरु चरण यात्रा के दौरान हमें साहिब श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज और माता साहिब कौर जी की पावन चरण पादुका का दर्शन करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। 2025 में साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के पावन शहीदी वर्ष के 350 साल भी पूर्ण हो रहे हैं। मुख्यमंत्री आज यहां पवित्र गुरु चरण (जोड़ा साहिब) यात्रा का स्वागत एवं उसमें प्रतिभाग करने के पश्चात यहियागंज गुरूद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पवित्र श्री गुरुग्रन्थ साहिब के समक्ष मत्था टेका तथा यात्रा में सम्मिलित पंच प्यारे को सम्मानित किया। सीएम योगी ने कहा, सिख गुरुओं का भारत की सनातन परम्परा में योगदान अविस्मरणीय व अभिनन्दनीय है। गुरु नानक देव जी महाराज से लेकर गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज और उनके साहिबजादों का बलिदान भारत के इतिहास को नई प्रेरणा प्रदान करता है। 250 वर्षों से गुरु महाराज व गुरु साहिबा की पावन चरण पादुका को गुरु महाराज की जन्मस्थली पटना साहिब में स्थापित करने के लिए यात्रा दिल्ली से प्रारम्भ हुई। यात्रा के दौरान उत्साह का वातावरण रहा। प्रत्येक व्यक्ति अपनी इस विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हुए इसके साथ जुड़ने के लिए उत्सुक है। सीएम योगी ने कहा, सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान की कथा वर्तमान व भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान करती है। यहियागंज गुरुद्वारा हमारे लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि गुरु तेग बहादुर जी महाराज और गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज की स्मृतियां इस गुरुद्वारे से जुड़ी हुई हैं। कार्यक्रम को केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी, प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश खन्ना, कृषि राज्यमंत्री श्री बलदेव सिंह ओलख तथा अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविन्दर सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर यहियागंज गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारीगण सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शताब्दी के बाद पहला बड़ा मंथन, भागवत–होसबाले 2026 तक के लक्ष्य तय करेंगे

भोपाल, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल की तीन दिवसीय बैठक 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जबलपुर में होगी। संघ की शताब्दी वर्ष के बाद यह पहला बड़ा चिंतन सत्र है, जिसमें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत शीर्ष नेतृत्व 2026 तक के संगठनात्मक लक्ष्यों पर रणनीति तैयार करेगा। संघ प्रमुख डॉ. भागवत सोमवार को ही जबलपुर पहुंच गए और बैठक स्थल का जायजा लिया। सभी 46 प्रांतों के प्रमुख पदाधिकारी, सह–कार्यवाह और क्षेत्रीय समन्वयक इस सम्मेलन में शामिल होंगे। संघ सूत्रों के अनुसार, शताब्दी वर्ष में चलाए गए कार्यक्रमों की गहन समीक्षा होगी। जमीनी स्तर पर सबसे प्रभावी प्रकल्पों की पहचान और कमजोर क्षेत्रों में सुधार पर फोकस रहेगा। 2026 तक हर प्रखंड में सक्रिय शाखा स्थापित करना मुख्य लक्ष्य है। बैठक में सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, परिवार प्रबोधन जैसे मुद्दों पर भी गहन चर्चा होगी। सेवा प्रकल्पों की संख्या बढ़ाने और राष्ट्रीय जीवन में संघ की भूमिका को मजबूत करने की रणनीति बनेगी। मध्य प्रदेश के उन 84 प्रखंडों में जहां धर्मांतरण की गतिविधियां बढ़ी हैं, वहां संघ के कार्यों की विशेष समीक्षा होगी। इन क्षेत्रों में जागरूकता अभियान को और तेज करने के निर्देश पहले ही जारी हो चुके हैं।

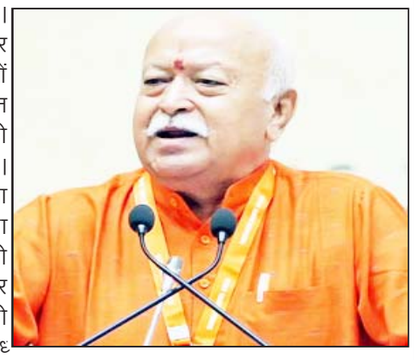

शाह पर टिप्पणी के बाद शिंदे का उद्धव पर पलटवार

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी ने एक बार फिर गरमी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें मुंबई की कोषागार पर लिपटा एनाकोंडा कहा। यह प्रतिक्रिया उद्धव ठाकरे के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मुंबई को निगलने वाला एनाकोंडा कहा था। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि जो दूसरों को एनाकोंडा बताते हैं, वे खुद असली एनाकोंडा हैं। ये लोग मुंबई की कोषागार पर लिपटे हुए हैं, और इनका पेट कभी नहीं भरता। शिंदे ने आगे कहा कि ठाकरे गुट ने मुंबई को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएमसी की कोषागार से लेकर कोविड काल की खिचड़ी तक में घोटाले हुए हैं। शिंदे ने कहा कि उन्होंने मुंबई, उसकी कोषागार, प्लॉट्स, मरीजों की खिचड़ी, शवों के बैग और यहां तक कि मिठी नदी की गाद तक को निगल लिया। इनका भ्रष्टाचार की भूख कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में जब शिवसेना (अविभाजित) 1997 से 2022 तक लगातार 25 साल बीएमसी पर काबिज रही, तब भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा। शिंदे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) को अब जवाब देना चाहिए कि मुंबई के विकास के नाम पर उन्होंने आखिर किया क्या। ठाकरे द्वारा अमित शाह को 'एनाकोंडा' कहे जाने के बाद भाजपा ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने छठ के समापन पर दी शुभकामनाएं, बोले -दिखी भारत की गौरवशाली परंपरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को चार दिवसीय छठ पर्व के समापन पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इससे देश की भव्य परंपरा की दिव्य झलक देखने को मिली। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भगवान सूर्यदेव को प्रातरूकालीन अर्घ्य के साथ आज महापर्व छठ का शुभ समापन हुआ। चार दिवसीय इस अनुष्ठान के दौरान छठ पूजा की हमारी भव्य परंपरा के दिव्य दर्शन हुए।'' उन्होंने कहा, ''समस्त व्रतियों और श्रद्धालुओं सहित पावन पर्व का हिस्सा बने अपने सभी परिवारजनों का हृदय से अभिनंदन। छठी मइया की असीम कृपा से आप सभी का जीवन सदैव आलोकित रहे। उत्सव शुरू होने से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री ने नागरिकों से छठ पूजा के गीतों को साझा करने का आग्रह किया और त्योहार के दौरान उन्हें और भी ज़्यादा प्रचारित करने का संकल्प लिया। उन्होंने तीसरे दिन भी ऐसा ही किया, एक गीत साझा किया और अनुष्ठान करने वाले श्रद्धालुओं को शुभकामनाएँ दीं। ष्देश भर में मेरे सभी परिवारजनों को छठ पूजा की संध्या अर्घ्य की हार्दिक शुभकामनाएँ। इस पावन अवसर पर, डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की हमारी परंपरा अत्यंत अनूठी है। भगवान सूर्य की कृपा से सभी का कल्याण हो, सभी को जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता मिले। यही कामना है। जय छठी मैया। सामुदायिक भागीदारी और ऑनलाइन भक्तिपूर्ण आदान–प्रदान के साथ, इस वर्ष का छठ पर्व एक उज्ज्वल और समावेशी स्वर में संपन्न हुआ, जो इसकी स्थायी सांस्कृतिक प्रतिध्वनि को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को चार दिवसीय ''महापर्व छठ'' के सफल समापन पर श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि इस पावन पर्व ने भारत की ''भव्य और दिव्य सांस्कृतिक परंपरा'' की झलक पूरे देश को दिखाई। "भगवान सूर्यदेव को प्रातरूकालीन अर्घ्य के साथ आज महापर्व छठ का शुभ समापन हुआ। चार दिवसीय इस अनुष्ठान के दौरान छठ पूजा की हमारी भव्य परंपरा के दिव्य दर्शन हुए।

30 अक्टूबर को जारी होगा एनडीए का घोषणापत्र

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए का घोषणापत्र 30 अक्टूबर को जारी किया जा सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एनडीए राज्य में घोषणापत्र को विकसित बिहार शीर्षक के साथ जारी करेगा। बिहार में एनडीए के घोषणापत्र में छात्र, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र पर अधिक फोकस किया जा सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से 25 अक्टूबर को खगड़िया में रैली के दौरान इसके संकेत दिए गए थे। दो राज्यों के वोटर लिस्ट में निकला नाम उन्होंने कहा था, षबिहार डबल इंजन से लैस होकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ चला है। एनडीए सरकार बिहार को आगे ले जाने के लिए तैयार है। हमारी स्पष्ट नीति है, स्कूल–कॉलेज में पढ़ाई, टाइम पर दवाई, खेतों में सिंचाई और हर घर में पानी की सप्लाई। अमित शाह ने कहा था, ष्इन चार सूत्रों पर हमारा बिहार अब आगे बढ़ने वाला है। बिहार में एनडीए के घटक दलों में भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। रोजगार–पलायन पर बात क्यों नहीं करते 2025 के बिहार चुनाव में मुख्य मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन के बीच है। राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाले महागठबंधन में कांग्रेस, भाकपा, भाकपा–माले, माकपा और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। हालांकि, बिहार में महागठबंधन मंगलवार शाम को अपना घोषणापत्र जारी करेगा। तेजस्वी यादव पहले ही नाई, कुम्हार, बढ़ई, लोहार, माली और मोची जैसी मेहनतकश जातियों के स्वरोजगार, आर्थिक उत्थान और उन्नति के लिए 5 साल के लिए 5 लाख की एकमुश्त ब्याज रहित राशि देने की घोषणा कर चुके हैं। तेजस्वी ने पूछे तीखे सवाल महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार आने पर त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्राम कचहरी सदस्यों को पेंशन दी जाएगी। ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों का 50 लाख रुपये तक का बीमा कराया जाएगा।

मायावती को 'मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन' बैठक को संबोधित करेंगी

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती बुधवार को लखनऊ में पार्टी के 'मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन' की एक विशेष मंडल स्तरीय बैठक को संबोधित करेंगी। यह मुस्लिम समाज के बीच पार्टी की पहुंच को मजबूत करने की कोशिशों का हिस्सा है। बसपा के उत्तर प्रदेश कार्यालय से मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, यह बैठक 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे 12– मॉल एवेन्यू में पार्टी के राज्य मुख्यालय में होगी। यह एक विशेष मंडल स्तरीय बैठक होगी जो बसपा में मुस्लिम समाज को और अधिक जोड़ने के प्रयासों के तहत होगी। पार्टी ने कहा कि मायावती इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी। बयान में आगे कहा गया है कि बसपा अध्यक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले में निर्वाचन आयोग द्वारा हाल ही में जारी किए गए निर्देशों के बारे में भी बात करेंगी। बसपा ने इस महीने की शुरुआत में 9 अक्टूबर को पार्टी के संस्थापक दलित नेता कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में एक जनसभा की थी।सिद्धार्थनगर के डोमरियागंज से पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने 16 अक्टूबर को एक सभा में विवादित बयान दिया था। हाल ही में इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है। मंगलवार को बसपा सुप्रीमो ने मामले को लेकर एक्स पर लिखा कि मुस्लिम लड़की लाओ, नौकरी पाओ, के ताजा संकीर्ण व घृणित बयान के साथ यूपी व उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में भी धर्म परिवर्तन, लव जिहाद व न जाने क्या–क्या नफरती नाम देकर और उसके विरुद्ध कानून को अपने हाथ में लेकर साम्प्रदायिक व जातिवादी द्वेष, वैमनस्य, अशांति, अराजकता फैलाई जा रही है। लोगों के जान–माल व मजहब पर खतरा पैदा करने का शरारती तत्वों का यह विषैला हिंसात्मक खेल अति निंदनीय है। उन्होंने लिखा कि ऐसे आपराधिक, अराजक व असामाजिक तत्व सभ्य व संवैधानिक सरकार के लिये खुली चुनौती और खतरा हैं। इन्हें शह व संरक्षण देने के बजाय सरकार राज्य की करोड़ों जनता के हित व कल्याण को ध्यान में रखते हुए ।

पंजाब में बिल्डिंग नियमों में ढील, लुधियाना में बनेगी नई सब तहसील

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब कैबिनेट ने पंजाब यूनिफाइड बिल्डिंग फ्रेमवर्क–2025 के नियमों में ढील दी है। अब 15 मीटर के बजाय 21 मीटर क्षेत्र में कोई नक्शा पास करवाने की जरूरत नहीं है। नक्शा बनाकर खुद प्रॉपर्टी मलिक ही उसे सर्टिफाइड कर सकेंगे। कमजोर वर्ग के लोगों के लिए किफायती प्लॉट उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी रहेगी। कैबिनेट में लुधियाना में नई सब तहसील बनाने का भी फैसला लिया गया। नायब तहसीलदार की नियुक्ति होगी। नई सब तहसील में चार पटवार सेक्टर, एक कानूनगो सेक्टर और करीब आठ गांव शामिल किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि बरनाला नगर परिषद को अब नगर निगम का दर्जा दे दिया गया है। बरनाला के विकास को रफ्तार मिलेगी। वहीं पंजाब स्पोर्ट्स मेडिकल कैडर के अंतर्गत 100 नई भर्तियां अस्थाई रूप से की जाएगी। भर्तियां ग्रुप ए, बी और सी के अंतर्गत तीन साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट आधार पर होंगी । जिन जिलों में खेलों का रुझान ज्यादा, उन्हीं जिलों में इन्हें तैनात किया जाएगा। पंजाब सरकार डेराबस्सी में 100 बेड का नया ईएसआई अस्पताल खोलेगी। अस्पताल चार एकड़ में तैयार होगा। पंजाब में रिहैबिलिटेशन सेंटरों के नियमों में संशोधन होगा। यहां दी जाने वाली सभी दवाओं और की जाने वाली जांच पर सरकार की निगरानी रहेगी। इन सेंटरों से काफी शिकायतें मिल रही थीं कि यहां नशा छुड़वाने के नाम पर लोगों को टॉर्चर किया जाता था।

सरकार ने चीनी संस्थान के फंड की जांच के दिए आदेशय रोहित पवार का दावा

पुणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने शर्करा आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे पुणे स्थित वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट (वीएसआई) को शोध के लिए दिए गए फंड का ऑडिट करने और यह जांचने के लिए एक समिति बनाएं कि इनका सही तरीके से इस्तेमाल किया गया या नहीं। हालांकि, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से जारी यह आदेश सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है। समिति बनाने का फैसला यह संकेत देता है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने ठाणे के बाद अब बारामती पर अपना फोकस कर लिया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि राकांपा (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार वीएसआई के अध्यक्ष हैं। जबकि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और प्रतिद्वंद्वी राकांपा नेता अजित पवार इस अनुसंधान संस्थान के सदस्य हैं। पुणे जिले का बारामती पवार परिवार का गढ़ रहा है। जबकि ठाणे शिवसेना नेता और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का राजनीतिक क्षेत्र है। राज्य के शर्करा आयुक्त संजय कोल्टे ने कहा, हम आम तौर पर राज्य की चीनी मिलों से वीएसआई के लिए एक रुपये प्रति टन कुचली हुई चीनी इकट्ठा करते हैं और जमा किए गए फंड का उपयोग चीनी उद्योग में अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए किया जाता है। 30 सितंबर को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्देश दिया गया कि यह जांच करने के लिए एक समिति बनाई जाए कि फंड का उपयोग कैसे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार को उन्हें बैठक की जानकारी मिली और अब उसी के अनुसार समिति बनाई जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि फंड के उपयोग को लेकर कोई शिकायत थी या नहीं, कोल्टे ने कहा कि कोई शिकायत नहीं थी। एक्स पर एक पोस्ट में रोहित पवार ने कहा कि वीएसआई ने राज्य में चीनी उद्योग को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान श्पवार साहेबश, अजित दादा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में कई वर्षों से किसानों के कल्याण के लिए काम कर रहा है। विधायक ने कहा, मुख्यमंत्री का संस्थान में जांच करने का आदेश सामान्य प्रक्रिया नहीं है। यह दिखाता है कि भाजपा ने ठाणे के बाद बारामती पर ध्यान केंद्रित किया है। कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने भाषण में कहा कि भाजपा को सहारे की जरूरत नहीं है और अब मुख्यमंत्री ने वीएसआई में जांच का आदेश दिया।

संपादकीय

एक और तेजाब कांड, समाज पर सवाल

दिल्ली यूनिवर्सिटी के लक्ष्मीबाई कॉलेज के पास एक छात्रा पर तेजाब से हमले की घटना सामने आई है। पीड़िता नॉन कॉलेजिएट वीमेन्स एजुकेशन बोर्ड के तहत शिक्षा हासिल कर रही है, वह कॉलेज की नियमित छात्रा नहीं है। रविवार को जब वह अपनी कक्षा के लिए जा रही थी, तभी कॉलेज परिसर के बाहर बाइक सवार युवकों ने उस पर तेजाब फेंका, अपने चेहरे को बचाने के लिए छात्रा ने हाथ ढंके तो उसके हाथ बुरी तरह जल गए। पीड़िता को इलाज के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर और खतरे से बाहर है।पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है, जिसमें मुख्य आरोपी जितेंद्र के बारे में खबर है कि वह करीब एक महीने से छात्रा का पीछा कर रहा था। हालांकि इसमें गंभीर घटना में एक नया मोड़ तब आया, जब आरोपी जितेंद्र की पत्नी ने पीड़िता के पिता पर बलात्कार का इल्जाम लगाकर ब्लैकमेल करने की बात कही। आरोपी की पत्नी ने पुलिस में शिकायत की है, जिसके मुताबिक, वह एसिड अटैक पीड़िता के पिता के पास काम करती थी, जहां पीड़िता के पिता ने उसके साथ जबरन संबंध बनाए और फिर ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस ने बलात्कार और ब्लैकमेल की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अब पुलिस तेजाब के हमले के साथ–साथ आरोपी की पत्नी के लगाए बलात्कार के आरोप के मामले की भी जांच करेगी। इधर पीड़िता ने भी बयान दिया है कि आरोपी जितेंद्र की पत्नी उसे ऐसे कामों को करने के लिए उकसाती है। पीड़िता का कहना है कि उसकी आरोपियों से कुछ दिन पहले बहस हुई थी, क्योंकि उसने आरोपी की पत्नी से छेड़खानी की शिकायत की थी।यह मामला एक तरफ देश में कानून व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर रहा है, वहीं समाज के बिखरते ताने–बाने को भी दिखा रहा है। बलात्कार के बदले के लिए तेजाब फेंकना आंख के बदले आंख वाली निकृष्ट सोच का परिचायक है। अगर एक महिला के साथ बलात्कार जैसा घिनौना कृत्य हुआ है, तो इसकी सजा दोषी को जरूर मिलनी चाहिए, लेकिन उसके परिवार की महिलाओं पर भयावह अत्याचार किसी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं कहा सकता। आरोपी की पत्नी ने पीड़िता पर तेजाब फेंके जाने के बाद खुद के साथ बलात्कार और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं की बात क्यों कही, इस बारे में पहले ही अगर शिकायत दर्ज होती तो एक और निर्दोष युवती को तेजाब का शिकार होने से बचाया जा सकता था।गौरतलब है कि देश में कड़े कानून के बावजूद महिलाओं पर तेजाबी हमलों के मामले रुक नहीं रहे हैं। राज्य बदलते हैं, कारण बदलते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए हिंसक सोच और हैवानियत भरे अपराध नहीं थमते। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 124 के तहत अगर किसी भी इंसान पर तेजाब फेंककर, पिलाकर, या किसी भी अन्य तरीके से उसके शरीर को स्थायी या आंशिक नुकसान पहुंचाया जाता है, गंभीर चोट पहुंचाने की कोशिश होती है, इसे तेजाब का हमला माना जाएगा। ऐसे मामलों में आरोपी को 10 साल तक की सजा हो सकती है, और अलग से जुर्माना लग सकता है। ध्यान देने वाली बात है कि पूरी दुनिया में तेजाब से हमलों के मामले एशियाई देशों में सबसे ज्यादा देखे गए हैं। उसमें भी बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, कोलंबिया और कंबोडिया वो प्रमुख देश हैं जहां सबसे ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो भारत में पिछले पांच सालों में एसिड अटैक के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। एसिड सर्वाइवर फाउंडेशन के मुताबिक 70 प्रतिशत मामलों में पीड़ित कोई महिला ही होती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नॉलॉजी इन्फर्मेशन ने तेजाब से हमले को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की थी। 2024 में प्रकाशित हुई उस रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश दो ऐसे राज्य रहे जहां पर सबसे ज्यादा एसिड अटैक के केस सामने आए। वहीं बात जब महानगरों की आती है तो राजधानी दिल्ली इस मामले में शीर्ष पर है। अच्छी बात ये है कि पहले की तुलना में तेजाब फेंकने की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन अगर एक भी ऐसा मामला दर्ज होता है, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता करने की बात है।महिलाओं पर तेजाब फेंककर बदला लेना असल में पुरुष सत्तात्मक समाज की उस घटिया मानसिकता का परिचायक है जो स्त्री को केवल उपभोग की सामग्री की तरह देखता है। एक इंसान के तौर पर स्त्री की गरिमा और सम्मान का महत्व इस समाज में नहीं होता है।

कलंक को धोकर खेल की गरिमा बहाल करें

गत दिनों एशिया कप का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक अवसर था। उपमहाद्वीप में जब–जब ये दोनों टीमें आमने–सामने होती हैं, तो इसे महज एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों के जज्बातों का संगम माना जाता है। ऐसे में उम्मीद थी कि यह फाइनल न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन करेगा बल्कि खेलभावना की मिसाल भी पेश करेगा। मगर अफसोस कि मुकाबले के अंत में सबसे ज्यादा चर्चा खेल के नतीजे की नहीं, बल्कि ट्रॉफी वितरण के दौरान उपजे विवाद की रही। यह विवाद न केवल आयोजन समिति की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है, बल्कि खिलाड़ियों और क्रिकेट संस्थाओं की परिपक्वता पर भी। ट्रॉफी किसी भी टूर्नामेंट की आत्मा कही जा सकती है। यह केवल धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उस मेहनत, संघर्ष और टीम भावना का प्रतीक है जिसके लिए खिलाड़ी महीनों तक पसीना बहाते हैं। जब उसी ट्रॉफी को लेकर मंच पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह दृश्य दर्शकों के मन में निराशा और खेल की गरिमा पर प्रश्नचिह्न छोड़ जाता है। एशिया कप जैसे भव्य टूर्नामेंट में यह और भी अस्वीकार्य है। जिस क्षण को उत्सव होना चाहिए था, वह असहमति और अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया।

भारत–पाकिस्तान संबंधों का बोझ क्रिकेट हमेशा ढोता आया है। लेकिन खेल को हमेशा इन तनावों से ऊपर बताया गया है। यह मंच आपसी कटुता को पीछे छोड़कर सद्भाव और सम्मान का संदेश देने का अवसर देता है। किंतु जब ट्रॉफी वितरण जैसे अवसर पर भी शिष्टाचार और खेलभावना की कमी दिखे तो यह साफ संकेत है कि आयोजकों और खिलाड़ियों दोनों को आत्ममंथन की आवश्यकता है। यह केवल दो टीमों के बीच विवाद नहीं, बल्कि पूरे एशियाई क्रिकेट की छवि पर चोट है। इस घटना ने आयोजन समिति की तैयारी और निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की सफलता केवल मैदान पर खेले गए मैचों से नहीं, बल्कि उसके समापन के सुचा आयोजन से भी आंकी जाती है। यदि उस निर्णायक क्षण में भ्रम और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह पूरे टूर्नामेंट की छवि धूमिल कर देता है। खिलाड़ियों के लिए भी यह क्षण आत्मचिंतन का है। वे केवल अपने खेल से ही नहीं, बल्कि अपने आचरण से भी नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। यदि मंच पर असहमति और विवाद दिखे तो इससे दर्शकों में गलत संदेश जाता है। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है, और उसकी गरिमा बनाए रखना हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है।

ट्रॉफी जीतना निस्संदेह गौरव की बात है, किंतु खेल की मर्यादा बनाए रखना उससे कहीं बड़ा दायित्व है। यदि आयोजन समिति और खिलाड़ी इस घटना से सबक नहीं लेते तो भविष्य में ऐसे विवाद बार–बार क्रिकेट की छवि को आहत करेंगे। खेल को राजनीति और अहंकार से ऊपर रखना ही उसकी असली आत्मा है। स्पष्ट है कि एशिया कप फाइनल में ट्रॉफी का विवाद एक शर्मनाक दृश्य था।

तेजस्वी को पिता का आशीर्वाद, तेज प्रताप को खुद पर भरोसा

नीरज

बिहार की राजनीति एक बार फिर उसी मोड़ पर है, जहां सत्ता की जड़ें वंश, विरासत और विद्रोह के ताने–बाने में उलझी हुई हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के दो बेटेकृ तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव आज एक–दूसरे से अलग राहों पर खड़े हैं, लेकिन दोनों की राजनीति अब भी एक ही राजनीतिक केंद्र की परिक्रमा करती दिखती है। एक ओर राघोपुर हैकृ जिसे लोग ष्मुख्यमंत्रियों की धरतीष कहते हैं। यही वह सीट है जिसने पहले लालू प्रसाद और फिर राबड़ी देवी को सत्ता के शिखर तक पहुँचाया। अब वहीं से लालू के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव तीसरी बार मैदान में हैं और इस बार वह सिर्फ उम्मीदवार नहीं, बल्कि 'मुख्यमंत्री पद' के दावेदार भी हैं। दूसरी ओर है महुआकृ जहां कभी बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब वह उसी भूमि पर लौटे हैं, लेकिन इस बार पिता की पार्टी से निष्कासित होकर, एक नई राजनीतिक पहचान के साथकृ जनशक्ति जनता दल के मुखिया के रूप में। देखा जाये तो यह चुनाव सिर्फ सीटों का मुकाबला नहीं, बल्कि एक परिवार के भीतर विचारों, अहं और नेतृत्व की टकराहट का भी मंच बन गया है। राघोपुर की बात करें तो आपको बता दें कि वैशाली जिले का राघोपुर विधानसभा क्षेत्र इस बार बिहार चुनाव का सबसे हाई–प्रोफाइल रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ के 3.4 लाख से अधिक मतदाता जानते हैं कि उनका फैसला राज्य का भविष्य तय कर सकता है। तेजस्वी यादव, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके अभियान का केंद्र हैकृ "परिवर्तन की राजनीति।" रैलियों में वह बार–बार कहते हैं, "यह चुनाव बिहार को दिशा देने का अवसर है, केवल सरकार बदलने का नहीं।" राजद के पारंपरिक यादव वोटों के साथ इस बार वाम दलों और कांग्रेस का भी साथ है। निषाद वोटों में पकड़ रखने वाली वीआईपी पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन इस गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहे हैं भाजपा के सतीश कुमार। वही सतीश कुमार जिन्होंने 2010 में राबड़ी देवी को हराकर इस 'वीआईपी सीट' को झटका दिया था। सतीश कुमार सवाल उठाते हैंकृ "दो बार उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी अपने क्षेत्र के लिए एक कॉलेज या अस्पताल तक नहीं दिला सके। अगर स्थानीय विकास नहीं दिखा, तो राज्य के विकास के वादों पर भरोसा कैसे किया जाए?" तेजस्वी पर भरोसा करने वाला यादव वर्ग भी इस बार आत्ममंथन की स्थिति में है। एक ओर वह 'अपना लड़का' देख रहे हैं, तो दूसरी ओर बीते दो दशकों की सत्ता–विहीनता की कसक भी महसूस कर रहे हैं। दूसरी ओर, राघोपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर महुआ में कहानी बिल्कुल अलग लेकिन उतनी ही भावनात्मक है। यही वह सीट है जहाँ 2015 में तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली राजनीतिक जीत दर्ज की थी। अब वह लौटे हैं, लेकिन इस बार बिना राजद के झंडे के। महुआ में एक दिलचस्प कहावत सुनाई देती हैकृ "घी दाल में ही गिरता है।" मतलब यह कि चाहे तेज प्रताप को वोट दो या राजद को, फायदा अंततः लालू परिवार को ही होगा। यह भावनात्मक रिश्ता अभी भी बिहार के यादव मतदाता के दिल में जिंदा है। राजद ने इस सीट पर अपने वफादार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन को उम्मीदवार बनाया है। रौशन की सबसे बड़ी चुनौती तेज प्रताप नहीं, बल्कि भावनाएं हैंकृ जो लालू परिवार की हर शाखा को जोड़ती हैं। तेज प्रताप का कहना है कि "राजद में लौटने से अच्छा मौत चुनना है।" लेकिन बिहार के लोग जानते हैं कि इस परिवार के राजनीतिक रिश्ते हमेशा 'तलाकशुदा' नहीं होते। वे तकरार के बीच भी साथ जीने की कला जानते हैं। तेज प्रताप के वादे भी हमेशा की तरह रंगीन हैंकृ "अगर जीत गया, तो महुआ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाऊँगा, जहाँ भारत–पाकिस्तान मैच होगा।" पर जमीनी हकीकत कुछ और हैकृ मेडिकल कॉलेज बना, लेकिन दरवाजे बंद हैंय भवन खड़ा है, मगर बिस्तर नहीं। यही कारण है कि महुआ का मतदाता आज "दिल और दिमाग" के बीच झूल रहा है। इसके अलावा, बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव की विचारधारा आज दो

दिशाओं में बंटती दिख रही है। तेजस्वी उस विचारधारा को आधुनिक चेहरे में ढालना चाहते हैं और अपने भाषणों में बेरोजगारी, शिक्षा और शासन की नई भाषा के बारे में बात कर रहे हैं वहीं तेज प्रताप उस विचारधारा को भावनात्मक लोकलुभावन रूप में जिंदा रखना चाहते हैं और अपने भाषणों में धर्म, जाति और गौरव के प्रतीकों का जिक्र कर रहे हैं। राघोपुर से तेजस्वी जहाँ लालू का 'विकल्प' बनने की कोशिश में हैं, वहीं महुआ में तेज प्रताप 'विरासत' के बोझ और आशीर्वाद के बीच झूलते दिख रहे हैं। बहरहाल, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस चुनावी रणभूमि में लालू प्रसाद का आशीर्वाद ज़्यादा असर दिखाता है या लालू प्रसाद का नाम। देखना दिलचस्प होगा कि पिता के समर्थन से राघोपुर में उतरा छोटा बेटा तेजस्वी यादव सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ता है या फिर अपने दम और अदाओं के भरोसे मैदान में उतरा बड़ा बेटा तेज प्रताप यादव कोई चमत्कार कर दिखाता है। बिहार की जनता जानती हैकृ यहाँ राजनीति सिर्फ गणित नहीं, थोड़ा तंत्र और बहुत सारा नाट्यशास्त्र भी है। बाकी, घी दाल में गिरता है या हांडी में, यह तो मतगणना वाले दिन ही पता चलेगा!

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

ललित

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अजरबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू–राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा

है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अजरबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू–राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक–दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग–थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो–पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस् –देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है– वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य–पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा–अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू–राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग–अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि "सुरक्षा" अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म

नवेद शिकोह

सत्ता से लड़ने वाला ही सत्ता हासिल कर सकता है, जो जितना लड़ पाएगा वो उतना सत्ता के करीब बढ़ पाएगा। बेहतर कार्यों को नजरंदाज कर सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है।

मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में दो विपक्षी खेमे है– एक सपा–कांग्रेस का इंडिया गठबंधन और दूसरी बहुजन समाज पार्टी। विपक्ष की इन दो ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। किंतु जो विपक्षी खेमा दूसरे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक हमलावर होने के बजाय तारीफ करेगा उस दल के बारे में सरकार विरोधी मतदाताओं की राय बहुत अच्छी तो नहीं होगी। और जो विपक्षी खेमा हुकुमत पर हमलावर होगा सरकार विरोधी वोटर एकजुट होकर उस विपक्षी दल के समर्थन में खड़ा होगा।

धर्म–जाति को किनारे रखकर देखिए तो चार तरह का वोटर नजर आता है। एक सत्ता को पसंद करता है और दूसरा सत्ता से नाखुश होता है,सत्ता के कार्यों से संतुष्ट नहीं होता। जो सत्ता के कार्यों से संतुष्ट हैं और उसे पसंद करता है वो वर्ग सत्तारूढ़ पार्टी को वोट देता है। जो सत्ता को पसंद नहीं करता वो वर्ग उस विपक्षी दल को चुनेगा जो सत्ता उखाड़ने में संघर्ष कर रहा हो और सत्ता के प्रति आक्रामक हो।

तीसरा वोटर वर्ग वो है जिसने सत्तारूढ़ पार्टी पर विश्वास कर सत्ता बनवाई। लेकिन उसकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं, ऐसे वर्ग विकल्प ढूंढेगा।

चौथा वर्ग भी है जो सत्ता को बेहतर इसलिए समझता है क्योंकि उसे सत्ता की खामियों का ज्ञान नहीं है। ऐसे सत्ता समर्थक वोटरों की आंखें खोलकर अपने पाले में लाने के लिए भी विपक्षी दल सत्ता का कच्चा चिऋा खोलते हैं। बताते हैं कि मौजूदा सरकार ने जन अपेक्षाएं पूरी नहीं की। जन–विरोधी है सरकार। हुकुमत पर ऐसे हमले करने के लिए विपक्षियों में मुकाबला होता है। यही कारण है कि विपक्ष का मूल स्वभाव सत्ता की आलोचना करना और सत्ता की किसी भी ख्यूबी को नजरंदाज करना है।

बीते 9 अक्टूबर को बसपा की रैली में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सत्ता से अधिक विपक्ष पर हमले किए। योगी सरकार की तारीफ की तब सवाल उठना लाजमी थे। बसपा भाजपा की बी टीम है! ऐसी तोहमतों के रंग गहराना भी स्वाभाविक था। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा मैदान वापसी और खूब भीड़ वाली एक सफल रैली के बाद बसपाइयों और सपाइयों में नई जंग छिड़ गई। बी टीम की तोहमतों को आधार मिल गया । सपाई कह रहे हैं कि बहन जी ने मंच पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करके अब तो भाजपा से अघोषित गठबंधन प्रकट कर दिया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि सरकारी मशीनरी ने मायावती की रैली में भीड़ जुटाई।

भाजपा के सहयोग से बसों का इंतेजाम किया गया था। समाजवादी कह रहे हैं कि विपक्ष का काम सत्ता की कमियों को सामने लाना होता है, लेकिन बसपा सुप्रीमो तो सत्ता की तारीफ कर रही हैं और विपक्षी दलों पर हमलावर हैं। वो स्पष्ट करें कि बसपा एनडीए की सहयोगी है या विपक्ष में है ? इस तरह तारीफ तो भाजपा के सहयोगी संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर भी नहीं करते। सपा के ऐसे आरोपों के जवाब भी बसपाई खेमे से आने लगे हैं। कहां जा रहा है कि विपक्षी दल द्वारा सत्ता का आभार व्यक्त करना कोई गलत बात नहीं।

बसपाई सत्तारूढ़ भाजपा से सपा के रिश्ते याद दिला रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में नरेंद्र मोदी की जीत की शुभकामनाएं देनी की याद दिला रहे हैं। मुलायम परिवार से मोदी–योगी के व्यक्तिगत मधुर रिश्तों से लेकर मुलायम सरकार का हिस्सा बनी कल्याण सिंह की पार्टी की याद दिलाई जा रही है। ये सच है कि प्रतिद्वंद्वी होना, राजनीति प्रतिस्पर्धी या राजनीति में विरोधी होने का अर्थ ये कतई नहीं कि हम आपसी शिष्टाचार भी भूल जाएं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह का संघ प्रमुख मोहन भागवत के करीब बैठना, मुलायम परिवार के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री मोदी का जाना, मुलायम सिंह का कुशलक्षेम पूछने योगी आदित्यनाथ का जाना शिष्टाचार है।

इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या विरोध का कोई मतलब नहीं। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती का योगी सरकार को आभार व्यक्त करना भी ग्घलत नहीं। लेकिन ये तय है कि यदि मायावती सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा सपा–कांग्रेस पर आक्रमक होती रही तो बसपा की स्थिति और भी खराब होती रहेगी। और सपा–कांग्रेस भी सत्ता के बजाय बसपा पर ज्यादा हमले करती रहेगी तो ये इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक होगा। दलित समाज में कुछ ऐसे भी हैं जब उन्हें लगता है कि बसपा लड़ाई से बाहर और सत्ता में आने की संभावनाओं से काफी दूर है ऐसे लोगो ने भाजपा को विकल्प मान कर भाजपाई सरकार बनवाने में अपना बड़ा योगदान दिया।

भाजपा के लिए सॉफ्ट और बसपा को पसंद करने वाला एक बड़ा वोटर वर्ग है। ये वर्ग मजबूरी में बसपा से इसलिए दूर हो गया था क्योंकि बसपा ने मैदान छोड़ दिया था। मायावती मैदान में वापस आ गईं हैं इसलिए ये वोटर वर्ग बसपा में वापस होगा। बसपा के एक–एक वोटर में एक बात कामन रहेगी कि वो भाजपा के प्रति सॉफ्ट होगा। मायावती द्वारा सपा के साथ कांग्रेस पर जबरदस्त हमलों से सपा का ये डर कम हो गया कि कांग्रेस उसका साथ छोड़ कर बसपा के साथ गठबंधन कर सकती है।

योगी सरकार की तारीफ से ये तय हो गया कि अब सपा के मुस्लिम बल्कि वोट में अब बसपा आठ–दस फीसद वोट में भी सेंध नहीं लगा सकेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के दोबारा मैदान में आने से यदि दलित घर वापसी कर बसपा में वापस होता है तो इसका नुकसान सिर्फ सपा–कांग्रेस को ही नहीं भाजपा को भी खूब होगा। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ और दलित वोटों के सहारे बसपा पचास–पचपन सीटें भी ले आईं और इंडिया गठबंधन और एनडीए को बहुमत नहीं मिल सका तो दोनों गठबंधनों में किसी एक को मायावती को मुख्यमंत्री बनाना होगा। बहन जी ऐसी राजनीतिक कार्ययोजना पर काम कर रही हैं।

राम मंदिर दर्शन को आ रहे हैं... तो जरा रुकिए, इस तारीख को नहीं मिलेगा प्रवेश

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में 25 नवंबर को भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन होगा। इसकी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को बैठक से पहले तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 25 नवंबर को आम श्रद्धालु रामलला के दर्शन नहीं कर सकेंगे। मंदिर के शिखर पर फहराया जाने वाला ध्वज न केवल आस्था का प्रतीक होगा, बल्कि श्रीराम जन्मभूमि निर्माण की पूर्णता का संदेश भी देगा। ट्रस्ट के लिए यह आयोजन तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है। इसलिए सेना के सहयोग से इसकी तैयारियां की जा रही हैं। करीब 11 किलो वजनी ध्वज को शिखर पर फहराने का ट्रायल सेना ने शुरू कर दिया है। ध्वज की लंबाई 22 फीट और चौड़ाई 11 फीट होगी। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर परिसर में ध्वजारोहण का रिहर्सल पूरा करके रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी है। इसे बिना किसी परिवर्तन के लागू किया जाएगा। क्योंकि, इस ऐतिहासिक क्षण पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी होंगी। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि ध्वज के कपड़े को लेकर भी विशेष ध्यान दिया गया है। संभावना है कि इसे पैराशूट फैब्रिक से तैयार किया जाएगा। ताकि, ऊंचाई पर भी यह मजबूती से लहराता रहे। इस पर कोबेदार वृक्ष और भगवान सूर्य का प्रतीक अंकित होगा, जो दिव्यता और ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करेगा।

26 नवंबर को आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे कपाट

उन्होंने आगे कहा कि हमारी प्राथमिकता यही है कि श्रद्धालु मंदिर निर्माण कार्य को देख सकें। दर्शन व्यवस्था सुचारू रहे। ध्वजारोहण के दिन करीब आठ हजार श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है। इस दिन परकोटा और सप्त मंदिरों में दर्शन नहीं होंगे, लेकिन अगले दिन से आम श्रद्धालुओं के लिए श्रीराम जन्मभूमि के सभी मंदिर दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे।

मंदिर परिसर में अब कोई नया निर्माण कार्य नहीं होगा

मंदिर परिसर में रेलिंग और म्यूरल लगाने का काम अंतिम चरण में है। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया है कि अब कोई नया निर्माण कार्य नहीं होगा। केवल, अंतिम रूप देने और सुंदरीकरण की प्रक्रिया जारी है।

संत चांडूराम साहिब को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, (संवाददाता)। शिव शांति संत आसूदाराम आश्रम में सोमवार को सेवा बख्शीश समारोह में देशभर से आए संत समाज व अनुयायियों ने ब्रह्मलीन साईं चांडूराम साहिब को श्रद्धांजलि दी। साईं चांडूराम साहिब के पुत्र साईं मोहनलाल और साईं हरीशलाल ने आश्रम की सेवा ग्रहण कर उनकी गद्दी संभाली। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पूर्व मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। साईं चांडूराम के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। साईं मोहनलाल व साईं हरीशलाल ने कहा, आश्रम सेवा और सिमरन का स्थान है। ब्रह्मलीन साईं की ओर से आश्रम में शुरू की गई मानव कल्याण की सेवाएं निरंतर चलती रहेंगी। सिंध वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र कुमार भवनानी, विश्व सिंधी हिंदू फाउंडेशन ऑफ एसोसिएशन के अध्यक्ष गुरमुख जगवानी और एडवाइजर राजा राम ने बताया कि 26 जनवरी को सिंधी समाज की झांकी नई दिल्ली में निकलेगी। इसमें संत साईं चांडूराम साहिब के आदर्शों को भी चित्रित किया जाएगा। इंदौर से आए दादा ईश्वर झामनानी ने संत साईं के संस्मरण सुनाए। कार्यक्रम में लखनऊ सिंधी समाज के मुखी डॉ. घनश्याम दास भवनानी, सिंधु सभा के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, हंसराज राजपाल, ओम प्रकाश ओमी, संजय जैसवानी, इंदर कालानी, अशोक चांदवानी, सुदाम चंद चांदवानी, राजेश सुमानी, प्रदीप मुरझानी, नानक राम खटवानी, भीमन दास रायतानी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पवित्र जोड़ा साहिब गुरु चरण यात्रा का स्वागत

लखनऊ, (संवाददाता)। दिल्ली के गुरुद्वारा मोतीबाग से शुरू ऐतिहासिक गुरु चरण यात्रा सोमवार को लखनऊ पहुंची। इसमें गुरु गोविंद सिंह महाराज और खालसा की माता साहिब कौर पवित्र जोड़ा साहिब शामिल हैं। इन्हें पटना स्थित गुरुद्वारा हरमिंदर साहिब में स्थापित किया जाएगा। डालीगंज के सरस्वती शिशु मंदिर चौराहा पहुंचने पर यात्रा का उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, संगठन प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, आनंद द्विवेदी व विधायक डॉ. नीरज बोरा ने स्वागत किया। इस दौरान यात्रा संयोजक अशोक तिवारी, धनश्याम दास अग्रवाल आदि थे। यहां से यात्रा अहियागंज गुरुद्वारा पर पहुंची। यात्रा का रात्रि विश्राम यहियागंज गुरुद्वारे में हुआ। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि मंगलवार सुबह छह से दस बजे तक विशेष आयोजन होंगे। इसके बाद यात्रा कानपुर के लिए रवाना होगी।

मंगलवार को छठ का अवकाश, अस्पतालों में आधा दिन और संस्थानों में पूरा दिन चलेगी ओपीडी

लखनऊ, (संवाददाता)। छठ पर सार्वजनिक अवकाश घोषित होने के बाद मंगलवार को सरकारी अस्पतालों में ओपीडी दोपहर 12 बजे तक ही चलेगी। वहीं सरकारी चिकित्सा संस्थानों में ओपीडी पर कोई अंतर नहीं होगा। ओपीडी रोज की तरह सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक संचालित होगी। केजीएमयू प्रवक्त प्रो. केके सिंह ने बताया कि अवकाश का ओपीडी के संचालन पर कोई असर नहीं रहेगा। बलरामपुर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि अवकाश की वजह ओपीडी सुबह आठ बजे से दोपहर के बजे के बीच चलेगी। 11 बजे तक पर्चे बनाए जाएंगे। इसके बाद पर्चे नहीं बनाए जाएंगे। छठ पूजा पर अवकाश घोषित होने की वजह से नगर निगम के सभी कार्यालय बंद रहेंगे। इस वजह से सामान्य कामकाज नहीं होंगे। जिलाधिकारी की ओर से जारी आदेश के बाद यह फैसला किया गया। छठ पूजा के संबंध में अवकाश का असर बैंकों पर नहीं पड़ेगा। राजधानी के सभी सरकारी बैंक खुले रहेंगे। सभी सरकारी और गैर–सरकारी बैंकों में सामान्य कामकाज होता रहेगा।

मौसम के तेवर में आई नरमी... मसालों के भाव हो गए गर्म

लखनऊ, (संवाददाता)। सर्दी की आहट व सहालग को देखते हुए गरम मसालों की मांग में तेजी आने लगी है। इसका असर थोक से फुटकर मंडियों तक में दिखने लगा है। एक सप्ताह में इलायची, लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, जीरा, धनिया जैसे मसालों की कीमत में 10 से लेकर 50 रुपये तक भाव बढ़ गए हैं। बड़ी इलायची के दाम में 200 रुपये किलो का इजाफा हुआ है। आपूर्ति सीमित होने के कारण भी दाम में उछाल आया है। याहियागंज मंडी के मसाला कारोबारी गौतम गुप्ता का कहना है कि बड़ी इलायची नेपाल व सिलीगुड़ी से आती है। नेपाल में इस बार उत्पादन कुछ कम हुआ है। इस बार कुछ देरी भी हो रही है, जिससे शार्टेज बनी है। इस कारण इसके दाम में सबसे अधिक तेजी है।

दो मुठभेड़ में पांच बदमाश गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से तीन घायल लंबा आपराधिक इतिहास है

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार देर रात दो अलग–अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें पांच बदमाश गिरफ्तार किए गए। इनमें पैर में गोली लगने से तीन घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ कोतवाली देहात और मोतिगरपुर थाना क्षेत्रों में हुई। पहली मुठभेड़ कोतवाली देहात के पखरौली रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। यहां पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन लोग आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने को कहा। इस पर वह भागने लगे। कुछ दूर आगे जाकर बाइक फिसलने से तीनों गिर गए। पीछा करके पुलिस पहुंची तो एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इसमें बदमाश मुकेश पैर में गोली लगने से गिर गया। उसे दोनों साथियों लालू और राज उर्फ छोटू के साथ पकड़ लिया गया। ये सभी फिरोजपुर शाहपुर, थाना जलालपुर, जनपद अंबेडकर नगर के निवासी हैं। मुकेश और लालू का लंबा आपराधिक इतिहास है। इन पर चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई धाराओं में विभिन्न थानों में केस दर्ज हैं। दूसरी मुठभेड़ मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के बेलवारी मोड़ के पास हुई। यहां पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान लंभुआ की ओर से एक बाइक पर तीन संदिग्ध व्यक्ति आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रुकने को कहा। इस पर वह भागने लगे। पीछा करने पर बाइक से उतरे दो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। इस दौरान पैर में गोली लगने से दोनों घायल हो गए। बदमाशों की पहचान नीरज लोना उर्फ जेलर और समीर उर्फ समर लोना के रूप में हुई है।

ये अंबेडकरनगर के शाहपुर फिरोजपुर, थाना जलालपुर के निवासी हैं। नीरज लोना उर्फ जेलर का लंबा आपराधिक इतिहास है। इस पर अम्बेडकर नगर व अमेठी में कई मामले दर्ज हैं। समीर उर्फ समर लोना का भी आपराधिक रिकॉर्ड है। इस पर आजमगढ़, सुल्तानपुर और अंबेडकरनगर में चोरी, पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

छठ महापर्व मनाने कनाडा से सीतापुर आई वासव दत्ता

लखनऊ, (संवाददाता)। सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा को लेकर देश ही नहीं विदेश में रहने वाले लोगों के मन भी उतनी ही आस्था और श्रद्धा है, जितनी भारत में। इसका एक उदाहरण सीतापुर जिले में देखने को मिला। यहां के महमूदाबाद क्षेत्र की रहने वाली वासव दत्ता वर्तमान में कनाडा में रहती हैं। छठ पर्व मनाने वह कनाडा से अपने घर लौटी हैं। मंगलवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही उनका व्रत पूर्ण हुआ। इस मौके पर वासव दत्ता ने बताया कि वह कनाडा में रहती हैं। छठ पर्व मनाने घर आई हैं। उन्होंने व्रती महिलाओं के साथ श्री संकटा देवी मंदिर में छठ पूजन किया। उन्होंने बताया कि कनाडा के तोरंडो में छठ पूजा होती है। वहां लोगों के घरों में बने स्विमिंग पूल या नदी में परमिशन लेकर भारतीय लोग सूर्यास्त व सूर्योदय की पूजा कर लेते हैं। लेकिन, अपनी सरजमीं में छठ पूजा मनाने का अलग ही आनंद है। मौसम खराब होने के बावजूद घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। लोगों ने सूर्य देव को अर्घ्य देकर पूजन किया। हमने भी छठ माता की पूजा की। तीन दिन से पूजा की तैयारी चल रही थी। इसका आज समापन हो गया। बताते चलें कि महमूदाबाद के श्री संकटा देवी मंदिर घाट, मंशा देवी मंदिर घाट, चौका घाट, सुमाली व घाघरा नदी के तटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। व्रती महिलाओं ने वेदी पर छठ माता की अच्छत, पुष्प, रोली, मिष्ठान, द्रव्य और फल चढ़ाकर पूजन किया। सूर्योदय के समय सूप में पूजन सामग्री, फल आदि लेकर महिलाएं पोखरे में पानी में खड़ी हुईं और भगवान सूर्य की आराधना की।

संक्षिप्त खबरें

समुद्री मछलियों के संरक्षण की दी जानकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो की टीम ने लक्षद्वीप के अगाती में चार दिन की कार्यशाला में समुद्री मछलियों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। निदेशक डॉ. काजल चक्रवर्ती ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समुद्री जैव विविधता संरक्षण के प्रति हितधारकों और छात्रों को संवेदनशील बनाना रहा। इस दौरान 'समुद्र बचाओ, हमारे भविष्य को बचाओ' पर जागरूकता, 'पानी के नीचे जीवन' पर ड्राइंग प्रतियोगिता, 'हमारा द्वीप, हमारा महासागर, हमारी जिम्मेदारी' पर जागरूकता कार्यक्रम, 'लक्षद्वीप के समुद्री संसाधन और सामने आने वाले खतरे' पर निबंध प्रतियोगिता कराई गई। चार दिन तक चले इस जागरूकता कार्यक्रम में 180 से अधिक छात्रों और 100 महिला लाभार्थियों ने भाग लिया। लाभार्थियों को सामुदायिक जलीय कृषि इकाइयों की स्थापना के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर समन्वयन संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टीटी अजीत कुमार, वैज्ञानिकों डॉ. रेखा एमयू, व डॉ. टीना जयकुमार टीके आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में मार्केट रिसर्च स्टडी के लिए आवेदन आमंत्रित किए

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने राज्य के पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के समग्र विकास, निवेश प्रोत्साहन और रोजगार सृजन को गति देने के उद्देश्य से मार्केट रिसर्च स्टडी (बाजार अनुसंधान अध्ययन) के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पहल उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति–2022 के अंतर्गत की जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह अध्ययन राज्य के पर्यटन उद्योग की वर्तमान स्थिति, संभावनाओं और चुनौतियों की गहराई से पड़ताल करेगा, ताकि नीतिगत निर्णयों के लिए ठोस और व्यावहारिक आधार तैयार किया जा सके।मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि अनुसंधान विषय उद्योग की प्रासंगिकता और आवश्यकता के अनुसार निर्धारित किए जाएंगे। यह अध्ययन यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में प्रचलित रुझानों और नीतिगत आवश्यकताओं पर केंद्रित रहेगा। सरकार का उद्देश्य है कि अकादमिक संस्थान, शोधकर्ता और विशेषज्ञ संगठन पर्यटन क्षेत्र में नए विचार और नीतिगत सुधारों के लिए उपयोगी सुझाव प्रस्तुत कर सकें। पर्यटन विभाग का मानना है कि इस तरह के अध्ययन से न केवल प्रदेश के पर्यटन ढांचे को सुदृढ़ किया जा सकेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा भी तय होगी।पर्यटन विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, मान्यता प्राप्त ट्रैवल एसोसिएशन, चौंबर ऑफ कॉमर्स, ट्रैवल एवं हॉस्पिटैलिटी संस्थान, पंजीकृत एनजीओ (जैसे वाइल्डलाइफ, हेरिटेज कंजर्वेशन, क्राफ्ट या पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संगठन), प्रबंधन संस्थान और विश्वविद्यालय इस पहल के तहत आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक संस्थाएं उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट्नचजवनतपेउ.हवअ.पद पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। पोर्टल 15 नवम्बर 2025 तक खुला रहेगा और इस अवधि के भीतर संस्थाओं को निर्धारित प्रारूप में अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने होंगे।

आवास विकास के खाली फ्लैटों पर 30 से मिलेगी 15 प्रतिशत की छूट

लखनऊ, (संवाददाता)। आवास विकास परिषद 30 अक्तूबर से फ्लैट खरीदने वालों को 15 प्रतिशत की छूट देगा। यह छूट सभी योजनाओं के फ्लैटों पर दी जाएगी। 10 अक्तूबर को परिषद की बोर्ड बैठक में इसका प्रस्ताव पास किया गया था। बोर्ड बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट जारी होने के बाद अब बृहस्पतिवार से खरीदारों को छूट दी जाएगी जो 31 जनवरी 2026 तक लागू रहेगी। उप आवास आयुक्त चंदन पटेल ने बताया कि उन खरीदारों को 15 प्रतिशत छूट दी जाएगी जो 60 दिन में पूरा पैसा जमा कर देंगे। पहले यह छूट पांच ही प्रतिशत थी। जो 90 दिन में पैसे जमा कर देंगे उन्हें 10 प्रतिशत छूट दी जाएगी। इसके अलावा अब फ्लैट का कब्जा भी 50 प्रतिशत पैसा जमा होने पर दे दिया जाएगा पहले पूरा पैसा जमा होने पर ही कब्जा दिया जाता था। शेष 50 प्रतिशत रकम 10 साल की किस्तों में अदा की जा सकेगी। यदि कोई उसे पहले अदा कर देगा तो उसे दो प्रतिशत की छूट भी दी जाएगी। ब्याज की गणना भी अब किस्तों पर 11.50 प्रतिशत के बजाय 9 प्रतिशत पर की जाएगी। इस छूट योजना का फायदा 31 जनवरी 2026 तक बुकिंग कराने पर ही मिलेगा। शहर में खाली हैं दो हजार से ज्यादा फ्लैट... उप आवास आयुक्त ने बताया कि लखनऊ में परिषद की योजनाओं में दो हजार से अधिक फ्लैट खाली हैं। ये फ्लैट शहीद पथ स्थित अवध विहार योजना के भागीरथ, मंदाकिनी, अलकनंदा अपार्टमेंट, रायबरेली रोड स्थित वृंदावन योजना के गोवर्धन एन्क्लेव, आकाश एन्क्लेव नीलगिरी एन्क्लेव, एवरेस्ट एन्क्लेव और पारा की मुन्नू खेड़ा योजना में हैं। यहां दो व तीन बेडरूम के फ्लैट हैं जिनकी कीमत 25 लाख से 1.25 करोड़ रुपये तक है।

गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश, भूसा टेंडर में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के आदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि गो आश्रय स्थलों में पराग पशु आहार की आपूर्ति स्थानीय दुग्ध समितियों के माध्यम से सुनिश्चित कराई जाए, ताकि पशुओं के पोषण में किसी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि गोशालाओं में 'गो काष्ठ' और 'मोक्ष दंडिका' के उत्पादन हेतु सीएसआर फंड से मशीनें स्थापित की जाएं, जिससे गोशालाओं को आर्थिक स्वावलंबन प्राप्त हो सके।मंत्री ने भूसा टेंडर के कार्य में विलंब पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह कार्य तत्काल पूरा किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। अमरोहा, बागपत, इटावा, शामली और मेरठ के मुख्य पशुचिकित्साधिकारियों को लापरवाही पर सख्त चेतावनी दी गई है और कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश जारी किए गए हैं।धर्मपाल सिंह ने कहा कि किसानों के खेतों से पराली एकत्र कर गो आश्रय स्थलों में बिछावन एवं पशु आहार के रूप में प्रयोग की जाए। पराली के बदले किसानों को गोबर की खाद उपलब्ध कराई जाए ताकि दोनों पक्षों को लाभ हो। इसके लिए जिलों में पराली संग्रह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि बेहतर कार्य कर रहीं गोशालाओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया जाए और सभी गोशालाओं में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं।उन्होंने पशुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए नियमित टीकाकरण कराने पर बल दिया। साथ ही अवस्थापना कार्यों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। लघु पशु योजनाओं के प्रचार–प्रसार पर भी विशेष जोर देते हुए ।

भ्रष्टाचार के खुलासे के बाद कार्य अधीक्षक का इस्तीफा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार का मामला सामने आने के बाद अधीक्षक पद पर तैनात प्रो. डीके सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। इसका कारण निजी बताया गया है। आरोप है कि बाजार में जो ईंट आठ रुपये में मिल रही है, उसे विवि के निर्माण विभाग ने 240 रुपये की दर से खरीदी। बिजली के काम में भी 931 रुपये प्रति मीटर की दर से केबल खरीदी गई। प्रकरण को अमर उजाला ने 28 सितंबर के अंक में प्रकाशित किया गया था। इसके बाद विवि प्रशासन ने जांच शुरू की थी। विश्वविद्यालय के सूत्रों का कहना है कि जांच में मामला सही पाए जाने पर इस्तीफे का दबाव बनाया गया है। हालांकि, विवि भी इस्तीफे का कारण निजी बता रहा है। लविवि के प्राच्य संस्कृति विभाग के शिक्षक डॉ. श्यामलेश कुमार तिवारी को अधीक्षक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने सोमवार को पत्र जारी किया है। छात्र नेता कार्तिक पांडेय ने 27 सितंबर को लविवि के जानकीपुरम परिसर में बने आईएमएस भवन से इंजीनियरिंग संकाय तक केबल बिछाने के काम में एक ईंट को 240 रुपये व केबल को तय मूल्यों से 931.84 रुपये ज्यादा पर खरीदने का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। 29 सितंबर को कार्तिक पांडेय व दुर्गा सिंह ने विद्युत उपकेंद्र से फार्मेसी संस्थान भवन तक केबल के काम व ट्रांसफॉर्मर लगाने में 83 लाख 84 हजार 785 रुपये के गबन का आरोप लगाया है। कुलपति, कुलसचिव, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और उच्च शिक्षा मंत्री से इसकी शिकायत की गई थी। निविदा में सीसी रोड व 200 वर्गफीट कमरे के निर्माण का भी जिक्र था। आरोप है कि दोनों काम हुए नहीं, पर इनका भुगतान हो गया है।

रबी सीजन के लिए खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)।, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को कृषि भवन स्थित सभागार में विभागीय योजनाओं की वित्तीय और भौतिक प्रगति की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने रबी सीजन के लिए खाद और बीज की उपलब्धता का विस्तृत मूल्यांकन किया तथा डिलॉइट प्रतिनिधियों के साथ सीड पार्क और सीड पॉलिसी की प्रगति पर भी चर्चा की।कृषि मंत्री ने बताया कि रबी 2025–26 सीजन के लिए प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। एमएफएमएस पोर्टल के अनुसार 26 अक्टूबर 2025 तक प्रदेश को 32.68 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हुआ है, जिनमें से 7.36 लाख मीट्रिक टन की बिक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य में 25.32 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक किसानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपलब्ध है। यह मात्रा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.13 लाख मीट्रिक टन अधिक है।उन्होंने बताया कि डीएपी की 4.56 लाख मीट्रिक टन, एनपीके की 4.82 लाख मीट्रिक टन, यूरिया की 11.98 लाख मीट्रिक टन, एसएसपी की 2.98 लाख मीट्रिक टन और एमओपी की 0.98 लाख मीट्रिक टन उपलब्धता दर्ज की गई है। यह सभी आंकड़े पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर हैं, जो सरकार के कुशल प्रबंधन और समयबद्ध आपूर्ति की दिशा में प्रगति को दर्शाते हैं। बीज वितरण की समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि रबी सीजन के लिए बीज वितरण की प्रगति भी संतोषजनक है। कुल 8,14,242 कुंतल बीज के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 3,47,951 कुंतल बीज उपलब्ध कराए जा चुके हैं, जो 43 प्रतिशत है। इनमें से 58,336 कुंतल बीज किसानों तक वितरित भी हो चुके हैं। गेहूं की फसल के लिए निर्धारित 7.10 लाख कुंतल के लक्ष्य के सापेक्ष 2.68 लाख कुंतल बीज उपलब्ध है। चना, मसूर, तोरिया और राईध्सरसों की फसलों में बीज की उपलब्धता क्रमशः 79, 88, 82 और 83 प्रतिशत दर्ज की गई है।समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बीज, खाद, कृषि यंत्र सहित अन्य सभी सुविधाएं किसानों तक समय पर पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी स्तर पर असुविधा नहीं होनी चाहिए और फील्ड स्तर पर निगरानी को और सुदृढ़ किया जाए।कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि किसानों को सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक दिन की देरी भी प्रदेश के कृषि उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।प्रमुख सचिव कृषि रवींद्र ने कहा कि खेती और किसान सरकार की प्राथमिकता में हैं, इसलिए सभी योजना अधिकारी किसान हित में आवंटित बजट को समय पर खर्च करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान किया जाए, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई बाधा न आए।

रन फॉर यूनिटी अंतर्गत 31अक्टूबर को प्रातः 8:00 बजे से निकाली जाएगी पदयात्रा एकता मार्च

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपु। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती को समर्पित एक ऐतिहासिक राष्ट्रव्यापी अभियान रन–फॉर–यूनिटी 'सरदार/150 यूनिटी मार्च' के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देश के क्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सरदार/150 यूनिटी मार्च का आयोजन कर रही है। उन्होंने जोर दिया कि इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है। जिलाधिकारी ने कहा कि रन फॉर यूनिटी के दौरान हम राष्ट्र की एकता और अखंडता के संबंध में जनता को जागरूक भी करेंगे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में छात्र–छात्राएं, वरिष्ठ नागरिक, एन.एस.एस., एन.सी.सी. कैडेट के बच्चे, अध्यापकगण और माई भारत से जुड़े युवाओं के साथ–साथ जनपद के सभी युवा भी शामिल होंगे, उन्होंने जनपद के युवाओं से अपील किया है कि वे इस अभियान से जुड़ें। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर 2025 को प्रातः 8:00 बजे से यह पदयात्रा पुलिस लाइन से शुरु होकर विकास भवन में स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ समाप्त होगी। इसके साथ ही अन्य तहसीलों में भी पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा के सफल आयोजन हेतु नोडल अधिकारी भी नामित किये गये है। समस्त कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी को इस पदयात्रा में प्रतिभाग करने के लिए निर्देश दिये गये है। इस पदयात्रा में मुख्य अतिथि जनपद गाजीपुर की मा0 राज्यसभा सांसद डा0 संगीता बलवन्त सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी सम्मलित होंगे। जिलाधिकारी ने पेयजल, फल वितरण सहित अन्य व्यवस्थाएं कराये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार और माई भारत की पहल है, कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पदयात्राएँ निकाली जाएंगी। जिलाधिकारी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले सरदार/150 एक भारत–आत्मनिर्भर भारत अभियान के सम्बन्ध में सरकार की।

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्रा ने लगाई फांसी मौत पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र के नरहन चकरारेत ढाबे में एक 16 वर्षीय छात्रा ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान रामनाथ चौहान की बेटी रेसमा चौहान के रूप में हुई है, जो शिव मूर्ति इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा थी। घटना का पता बुधवार सुबह करीब 6 बजे चला।जानकारी के अनुसार, रेसमा के भाई सरदार चौहान को सुबह 6 बजे अपनी बहन की मृत्यु की सूचना मिली। रेसमा के पिता रामनाथ चौहान मुंबई में रहकर काम करते हैं, जबकि मां कांति देवी अपनी बहन करिश्मा के ननिहाल गई हुई थीं। घर पर भाई सरदार चौहान और मृतक बहन रेसमा मौजूद थे। रेसमा अपने भाई–बहनों में सबसे छोटी थी।सरदार चौहान ने बताया कि रेसमा सुबह 8रू30 बजे घर से निकली थी। उन्होंने अपनी बहन को रात 10 बजे तक ढूंढा, जिसके बाद उन्होंने अपनी मां को फोन पर सूचना दी।मृतका रेसमा चौहान को नेवी की छात्रा भी बताया जा रहा है। वह शिव मूर्ति इंटर कॉलेज में 9वीं कक्षा में पढ़ती थी। सूचना मिलने पर सीओ अजीत कुमार रजत, इंस्पेक्टर दीपेंद्र सिंह सहित पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल में जुटी हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कार्यवाही के लिए भेज दिया है।इस मामले में जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने बताया आज सुबह फंसी पर लटकी हुई लाश की सूचना मिली थी मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन की गई है शव को पोस्टमार्टम के लिय भेजा गया है अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

'राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा किन्नर प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय सचिव ने किया विधायक सुरेन्द्र मैथानी से शिष्टाचार भेंट'

'कानपुर।' राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा किन्नर प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय सचिव ने कानपुर के गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेन्द्र मैथानी जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने विधायक सुरेन्द्र मैथानी जी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। भेंट के दौरान छठी मैया के पावन अवसर पर संगठन से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण चर्चाएं की गईं। उन्होंने विधायक सुरेन्द्र मैथानी जी को राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के उद्देश्यों, कार्य प्रणाली एवं समाज सेवा के संकल्पों से अवगत कराया। इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात में संगठन के विस्तार, सामाजिक समरसता, और सनातन संस्कृति के प्रचार–प्रसार को लेकर विचार–विमर्श किया गया। विधायक सुरेन्द्र मैथानी जी ने संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

नेशनल रोलबॉल चौंपियनशिप में यूपी के बालक विजेता व बालिका उपविजेता बनी

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बॉयज टीम ने राजस्थान को हराकर आगरा में चल रही सब जूनियर नेशनल रोलबॉल चौंपियनशिप का खिताब जीत लिया, जबकि उत्तर प्रदेश गर्ल्स टीम ने उपविजेता का खिताब हासिल किया। लखनऊ रोलबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने बताया कि आगरा में चल रही 18वी सब जूनियर नेशनल रोलबॉल चौंपियनशिप के अंतिम दिन आज बालक वर्ग में उत्तर प्रदेश ने क्वार्टर फाइनल में उड़ीसा टीम को 6 –2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में एक बार फिर से उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करके असम को 4–2 के अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में भी यूपी के लड़कों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और मजबूत राजस्थान की टीम को 5–2 से हराकर विजेता खिताब पर कब्जा कर लिया। दूसरी तरफ बालिका वर्ग में भी उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन सराहनीय रहा। क्वार्टर फाइनल में यूपी की लड़कियों ने उड़ीसा को 3–1 से हराने के बाद सेमीफाइनल में असम टीम को 2–1 के करीबी अंतर से हराने के बाद फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में उत्तर प्रदेश की लड़कियों को हरियाणा से 3–6 से हारकर उपविजेता से ही संतोष करना पड़ा। उत्तर प्रदेश टीम कोच संजीव कुमार टीम की जीत पर खुशी जाहिर की। उत्तर प्रदेश रोलबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश त्यागी, सचिव संतोष श्रीवास्तव, लखनऊ रोलबॉल के अध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव मंजू श्रीवास्तव।

एक दिन की थानेदार स्वर्णिमा ने किया जनसुनवाई, बिना हेलमेट बॉइक सवार का कराया चालान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत बुधवार को चंद्रेज सिंह चिल्ड्रेन एकेडमी भुवालापट्टी जगदीशपुर की इंटर की छात्रा स्वर्णिमा यादव को एक दिन के लिए थानाध्यक्ष बनाया गया। स्वर्णिमा यादव ने चार्ज संभालने के बाद जनसुनवाई किया।उनके साथ थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल व एस आई मिथिलेश कुमारी मौजूद रही।जनसुनवाई के दौरान एक शिकायत अनिता देवी पत्नी स्वर्गीय लाल मोहन निवासी सुल्तानपुर का पारिवरिक प्रताड़ना का था। स्वर्णिमा ने हल्का प्रभारी को कहा कि मौके पर जाकर जांच उचित कार्यवाही करें। दूसरा प्रार्थना पत्र जमीन से सम्बंधित था अनिता पत्नी सुशील कुमार निवासी लाड़नपुर का था।उसे भी सम्बंधित लोगो को आदेश देकर ठीक करवाने का आदेश दिया। छात्रा ने थाना गेट के सामने चार पहिया और दो पहिया वाहनों को रोका। उन्हें यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी और नियम तोड़ने वाले एक दो पहिया पल्सर गाड़ी का बिना हेलमेट और मौके पर कोई कागजात न मिलने पर 2000 रुपये का ऑनलाइन चालान कराया।स्वर्णिमा यादव ने थाना परिसर में महिला हेल्प डेस्क और सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) की कार्यप्रणाली के बारे में भी विस्तार से जानकारी लिया। कार्यालय में जाकर अपराध रजिस्टर के बारे में जानकारी लिया।जब उनसे पूछा गया कि आपको कैसा महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया की बहुत अच्छा महसूस हो रहा यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि मैं आईएएस बनने के लिए पढ़ाई कर रही हु।

पीयू से संबद्ध कालेज के 10 शोधार्थियों को प्रशिक्षण: कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की "डीएसटीदृपर्स" परियोजना की प्रगति समीक्षा बैठक कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में कुलपति सभागार में आयोजित हुई। बैठक में कुलपति ने दिसंबर 2025 तक सभी स्वीकृत उपकरणों और रसायनों की खरीद प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना के वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) के तहत विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के 10 शोधार्थियों को शोध उपकरणों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को उनके शोध कार्य हेतु पाँच हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त दो परास्नातक छात्रों को डिजर्टेशन कार्य में सहयोग देने, 20 छात्रों को दो हजार रुपये तक की सहायता और पाँच छात्रों को स्टार्टअप या औद्योगिक सहयोग के अंतर्गत कृषि उत्पादों से जुड़े लघु उपकरणों के डिजाइन हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने की घोषणा की गई। परियोजना समन्वयक डॉ. धीरेंद्र चौधरी ने बताया कि डीएसटी द्वारा परियोजना की प्रथम वर्ष की धनराशि 22 मई 2025 को जारी की गई थी। परियोजना से जुड़ी टीम ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उच्च दक्षता वाले सोलर सेल का सफल प्रदर्शन किया है, जबकि हाइड्रोजन ऊर्जा के क्षेत्र में जल अपघटन तकनीक से हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई है। ऊर्जा संचयन हेतु उच्च धारिता वाले सुपर कैपेसिटर और पर्यावरणदृअनुकूल हरित स्नेहक का विकास भी किया गया है। अब तक 15 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं,।

संक्षिप्त खबरें

ट्रॉली पर मच्छरदानी लगाकर धान बचा रहे किसान

सीतापुर, (संवाददाता)। अधूरी तैयारियों के बीच धान क्रय केंद्रों का संचालन शुरू कराए जाने का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। नेवादा क्रय केंद्र पर किसान चार दिन से धान की तौल कराने का इंतजार कर रहे हैं। धान बचाने के लिए रात में ट्रॉली पर मच्छरदानी लगाकर सोने को किसान मजबूर हैं। तौल न होने से वाहन फंसा है लिहाजा गन्ने की आपूर्ति भी नहीं कर पा रहे हैं। कई किसान औने–पौने दाम पर धान बेचने को विवश हैं। हरगांव ब्लॉक में उत्तर प्रदेश सहकारी संघ लिमिटेड की ओर से संचालित बी–पैक्स नेवादा स्थित राजकीय धान क्रय केंद्र पर कमरसेपुर व जलालीपुर समिति क्षेत्र भी संबद्ध है। यहां क्रय केंद्र पिछले एक सप्ताह से धान की तौल बंद है। इससे किसानों की धान से भरी ट्रॉलियां केंद्र पर खड़ी हैं। तौल न होने के कारण किसान रात में भी क्रय केंद्र पर रुकने को मजबूर हैं। रात काटने के लिए किसान ट्रॉली पर मच्छरदानी लगाकर सोते हैं। कई किसान अपना धान कम दामों पर गल्ला मंडी में बेचने को विवश हैं। किसान नेता सतनाम सिंह ने बताया कि उनकी धान से भरी ट्रॉली चार दिन से क्रय केंद्र पर खड़ी है। तौल न किए जाने का कोई कारण नहीं बताया जा रहा। चर्चा है कि बारदाने (बोरों) की कमी के कारण केंद्र पर तौल बंद है। शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। किसान बूटा सिंह ने कहा कि धान की तौल न होने से वाहन खाली नहीं हो पा रहा है। इससे गन्ने की पर्चियां आने के बाद भी आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। किसान जीवन सिंह ने बताया कि तौल बंद होने से खुले बाजार में सस्ते दाम पर धान बेचना पड़ रहा है। मायूसी भरे लहजे में बताया कि यदि जल्द तौल शुरू नहीं होती है तो अपने धान में आग लगाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशलेंद्र सिंह, रोहित मिश्र, गन्ना समिति संचालक रामसेवक सिंह, बूटा सिंह, लालजी, रवी, जीवन सिंह और बलवीर सिंह आदि ने धान की तौल शुरू कराने की मांग की है। नेवादा केंद्र प्रभारी के बीमार होने और खराब मौसम के कारण धान का उठान नहीं हो पा रहा है। इसलिए तौल बाधित है। शीघ्र ही तौल शुरू कराई जाएगी।

बदली और बूंदाबांदी ने कराया ठंड का अहसास

सीतापुर, (संवाददाता)। मौसम का मिजाज सोमवार को अचानक बदल दिखा। आसमान में दिन भर बादलों ने डेरा जमाए रखा। शहर समेत कई इलाकों में शाम को बूंदाबांदी भी हुई। बदली व बूंदाबांदी के साथ चली पछुवा हवाओं ने मौसम को सर्द बना दिया। इससे अधिकतम पारा लुढ़ककर 28 डिग्री व न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। पारा गिरने से लोगों को दोपहर बाद ठंड का अहसास होने लगा। बाइक पर सवार बुजुर्ग व बच्चे गर्म कपड़ों में दिखे। मौसम विशेषज्ञों ने अगले 24 घंटों के दौरान बारिश होने के साथ तापमान में गिरावट आने की बात कही है। इससे ठंड बढ़ने के आसार हैं। सोमवार की सुबह से ही आसमान पर बादलों ने डेरा जमा लिया। इस कारण दिन भर सूरज के दर्शन तक नहीं हुए। हवा का रुख भी पूरब से बदलकर पश्चिम की ओर हो गया। दोपहर बाद हवा की गति बढ़कर आठ किमी प्रति घंटा हो गई। शाम छह बजे शहर समेत कई इलाकों में बूंदाबांदी भी हुई।

विज्ञान और क्विज प्रतियोगिता में 10 बच्चों ने मारी बाजी

पीलीभीत, (संवाददाता) राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय क्विज और विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूलों के तीन–तीन बच्चों ने भाग लिया। विज्ञान प्रदर्शनी में खासपुर के विवेक, पताबोझी की संजना देवी, मोहित राज, डगा के अक्षा, निशात बी और क्विज प्रतियोगिता में डगा की निशात बी, टांडा छत्रपति के गोपी, नीतेश कुमार, खासपुर की सृष्टि यादव, सुखदासपुर की सायना ने बाजी मारी। स्थान पाने वाले बच्चे जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। ब्लॉक संसाधन केंद्र में बीईओ विजय वीरेंद्र सिंह की देखरेख में हुई प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक बाबूराम पासवान ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। ब्लॉक क्षेत्र के उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूलों के तीन–तीन बच्चों ने भाग लिया। तीन चरणों में हुई प्रतियोगिता में पहले चरण में बच्चों को 25 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने थे। द्वितीय चरण में प्रथम चरण में चयनित 25 बच्चों को पांच समूह में बांटा गया। तीसरे चरण में दोनों प्रतियोगिताओं के 10 बच्चों को विजेता घोषित किया। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि चयनित बच्चे जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगे। स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह स्कूलों में स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ लगवाने, बच्चों को बैठने को फर्नीचर की व्यवस्था कराने के लिए कहा। प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सूर्य प्रकाश गंगवार, मंत्री विमल कुमार, संतोष पासवान, सुरेश चंद्र गंगवार, मोहम्मद ताहिर खां, वीर सिंह, अरुण, विजय शर्मा, प्रभात कुशवाहा आदि मौजूद रहे

नशे के सौदागरों पर कसेगा शिकंजा, डीआईजी ने दिए निर्देश

पीलीभीत, (संवाददाता) बरेली में पुलिस विभाग की रेंज स्तरीय समीक्षा गोष्ठी में डीआईजी ने अपने कार्यालय में चारों जिलों के पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गंगा स्नान व अन्य पर्वों पर सतर्कता बरतने के लिए कहा। निर्देश दिए कि केवल प्यादों पर कार्रवाई करके कोरम पूरा न किया जाए, पुलिस बड़ेतस्करोंको गिरफ्तार कर नशे के धंधे पर लगाम लगाए। 15 दिनों तक अभियान चलाने के लिए कहा। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने कहा कि अपराधियों और नशा माफिया पर लगातार कार्रवाई करनी होगी। वांछित और इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने, लंबित विवेचना निस्तारण के निर्देश दिए। डीआईजी ने महिला उत्पीड़न, दहेज हत्या, पॉक्सो, हत्या, लूट, नकबजनी और वाहन चोरी जैसे मामलों की समीक्षा की। यह भी पढ़ें– न्रू छह माह पहले अफेयर...तीन महीने से पति और दो बच्चों को छोड़ प्रेमी संग रह रही पत्नीय दर्द लिख वकील ने दी जान सड़क हादसों में कमी लाने पर जोर देकर ब्लैक स्पॉट चिह्नित करने और इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस में सही फीडिंग करने के लिए कहा। डीआईजी ने कहा कि साइबर ठगों पर कार्रवाई में ढील नहीं देनी है। उन्होंने पंचायत चुनाव को मद्देनजर गांवों में सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। इस मौके पर बरेली एसएसपी अनुराग आर्य, बदायूं, शाहजहांपुर व पीलीभीत जिलों के एसपी मौजूद रहे।

जहानाबाद में किसान को किया घायल... अब बीसलपुर क्षेत्र में पहुचे नेपाली हाथी

पीलीभीत, (संवाददाता)। पीलीभीत की बीसलपुर तहसील के गांव रिछोला घासी के खेतों में मंगलवार तड़के दो हाथियों के आ जाने से हड़कंप मच गया। गांव रिछोला घासी की प्रधान अनीता देवी ने बताया कि उनके गांव के कुछ लोग मंगलवार को तड़के जब खेतिहर क्षेत्र में पहुंचे तो उन्होंने दो हाथी देखे। हाथी देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए। ग्रामीणों ने तत्काल गांव में आकर जानकारी दी। इसके बाद गांव के काफी लोग लाठी–डंडे लेकर खेतों में पहुंचे। तब तक हाथी काफी आगे निकल गए थे। ग्रामीणों ने शोर शराबा कर और पीपे बजाकर हाथियों को खदेड़ने का पूरा प्रयास किया। जानकारी होते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। वन विभाग की टीम ने भी हाथियों को खदेड़ने का प्रयास करना शुरू कर दिया। रेंजर रोहित जोशी ने बताया कि ये हाथी पीलीभीत के माला जंगल से निकलकर बरेली के नवाबगंज क्षेत्र में होते हुए रिछोला घासी पहुंचे हैं। वन विभाग की टीम ने हाथियों की निगरानी शुरू कर दी है। इन दोनों हाथियों ने रविवार को गजरौला क्षेत्र में हाथियों ने फसलों को नुकसान पहुंचाया था। सोमवार को दोनों हाथी बीसलपुर क्षेत्र से होते हुए देवहा नदी पार कर जहानाबाद थाना क्षेत्र में पहुंचे। शाम करीब पांच बजे हाथी उझनिया गांव के पास खेतों की ओर पहुंच गए। वहां खेत पर मौजूद ग्रामीण ओमप्रकाश पर हमला कर दिया। हाथियों ने उसे पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। अफरातफरी के बीच किसी तरह घायल ग्रामीण को बचाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। परिजन उसे बरेली के निजी अस्पताल में ले गए। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची ।

ठंड में 15 फीसदी बढ़े जोड़ों के दर्द के मरीज

भदोही, (संवाददाता)। ठंड शुरू होते ही हड्डी व जोड़ों में दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि अस्पताल रोगियों की संख्या में 15 फीसदी की वृद्धि हो रही है। चिकित्सकों के अनुसार ठंड में तापमान में गिरावट के कारण नसें सिकुड़ने लगती हैं। वहीं शरीर में विटामिन–डी की कमी के कारण हड्डी व जोड़ों का तकलीफ बढ़ जाती है। हड्डियों में लचीलेपन की कमी आ जाती है, जिससे जोड़ों में अकड़न की समस्या होती है। महाराजा चेत सिंह जिला अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद यादव ने बताया कि इन दिनों अस्पताल में इस तरह के 30 से 35 मरीज प्रतिदिन आ रहे हैं। बताया कि पूर्व लगी चोट व ठंड में नसों के सिकुड़ने से ऐसी समस्या हो रही है। बताया कि जिन्हें पहले से गठिया है, ठंड में उनकी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ठंड की शुरुआत से ही दर्द और सूजन परेशान करने लगती है। जुवेनाइल आर्थराइटिस से पीड़ित बच्चों में भी दर्द बढ़ जाता है। पहले कभी दुर्घटना में हड्डियां या लीगामेंट आदि क्षतिग्रस्त हुए हैं तो उस स्थिति में भी इस मौसम में दर्द बढ़ जाता है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन

पीलीभीत, (संवाददाता) उदीयमान सूर्य (उगते सूरज) को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही छठ महापर्व का समापन हो गया। बरेली समेत पूरे मंडल में लोक आस्था का महापर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंगलवार को तड़के चार बजे से ही जगह–जगह बनाए गए छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। यहां व्रतियों ने श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान भास्कर की उपासना की। बरेली में रिमझिम के बीच व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। पीलीभीत और शाहजहांपुर में भी छठ महापर्व का उल्लास छाया रहा। सभी जगह अर्घ्य अर्पित करने के दौरान मेले जैसा नजारा दिखा। छठी मइया के गीत गूंजते रहे। बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर स्थित श्री शिव– शक्ति मंदिर में परिजनों के साथ व्रती महिलाएं छठी मइया के गीत गाते हुए पहुंचीं। यहां स्थित सरोवर को छठ पूजा के लिए भव्य तरीके से सजाया गया। पूरा परिसर आस्था से सराबोर दिखा। व्रतियों ने विधि–विधान से छठ पूजा को संपन्न किया। शहर के इज्जतनगर स्थित श्री शिव पार्वती मंदिर, धोपेश्वरनाथ मंदिर समेत घरों में भी बड़ी संख्या में व्रतियों ने सूर्यदेव के दर्शन कर अर्घ्य दिया। सुबह छह बजे के करीब रिमझिम बारिश शुरू हुई थी, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था नहीं डगी। रिमझिम बारिश के बीच भगवान भास्कर की उपासना की। रिमझिम बारिश के बीच सूर्य निकलने तक व्रती महिलाएं ठंडे पानी में खड़े होकर हाथ में पूजा की टोकरी लिए आराधना करती रहीं। इसके बाद भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और महाव्रत का पारण किया। इससे पहले सोमवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा निभाई गई थी। पीलीभीत जिले में सोमवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाओं ने पूजन और रात्रि जागरण किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।